अध्ययन सामग्री

विषय - हिन्दी

वर्ग - स्नातकोत्तर

सेमेस्टर - III

प्रश्नपत्र - XIV

सुमन कुमारी
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
प्रसाद दास जैन महाविद्यालय
आरा,

'इंट्रो'

'संक्षिप्त परिचय'

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इंट्रो

'इंट्रो' शब्द अंग्रेजी के 'इंट्रोडक्शन' का संक्षिप्त रूप है। हिंदी में इसे 'आमुख' कहते हैं। अमरीकी पत्रकारिता की भाषा में इंट्रो को लीड कहते हैं। समूची रचना का कथ्य या परिप्रेक्ष्य या उसके संबंध में दो शब्द देकर उसकी ओर ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से इंट्रो दिया जाता है। समाचार का संपादन करते समय इस बात की ओर ध्यान रखना आवश्यक है कि प्रथम वाक्य में समाचार की आत्मा के दर्शन हों।

इंट्रो देते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि वाक्य यथासंभव छोटे और सरल हों। पाठक प्रत्येक समाचार के प्रति महत्वपूर्ण अंश को तुरंत जानने के लिए आतुर रहता है। उसकी आतुरता की तृप्ति भी छोटे वाक्य से होती है कि लंबे-चौड़े वाक्य से, जिनसे समझने में उलझन पड़े और जानकारी न मिलने में विलंब हो।

इंट्रो देने अनेक विधियों से दिया जाता है। इसका स्थान भी शीर्षक के स्थान के अनुसार निश्चित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कभी-कभी समूचे पृष्ठ पर फैले शीर्षक के ऊपर ही वाक्य बनाकर इंट्रो दे दिया जाता है। कभी शीर्षक के ऊपर साथ ही इंट्रो रहता है। कभी बीच में वाक्य बनाकर, तो कभी सामने के पृष्ठ पर दूसरे-तीसरे कॉलम में ऊपर-नीचे रूल लगाकर इंट्रो दिया जाता है। कभी पहले वाक्य में ही लम्बा करके इंट्रो बॉक्स बनाकर दे दिया जाता है। इस प्रकार इंट्रो को पूरे पृष्ठ की सज्जा की दृष्टि से इस प्रकार लगाया जाता है कि देखने पर समग्र रूप से पत्रिका में यह कहीं खटके नहीं, बल्कि पूरे पृष्ठ की सज्जा में वृद्धि करे।

विषय की दृष्टि से आमुख के दो प्रकार होते हैं — (1) भावनात्मक और (2) तथ्यात्मक। लेकिन हर स्थिति में यह ध्यान रखना चाहिए कि छोटे-छोटे प्रभावोत्पादक और सारगर्भित वाक्यों को जोड़कर आमुख बना दिया जाय। आमुख लंबे नहीं होने चाहिए। इसका टाइप समाचार के टाइप से कुछ बड़ा होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner